भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3644
24 मार्च, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

सीसे के कारण होने वाली विषाक्तता के बढ़ते मामले

3644. श्रीमती सागरिका घोष:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में 275 मिलियन से अधिक बच्चों के रक्त में सीसा (लेड) स्तर डब्लूएचओ के सुरक्षित मानक 5 माइक्रोग्राम प्रति डेसीलीटर से अधिक है, और इससे बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ में 40 प्रतिशत आबादी प्रभावित हैं;
(ख) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत स्थापित रक्त में सीसे (लेड) की जाँच और उपचार केंद्रों की संख्या कितनी है;
(ग) वर्ष 2021 से अब तक खाद्य सुरक्षा और मानक विनियम, 2011 के अंतर्गत उन खाद्य और मसालों के नमूनों की संख्या कितनी है जिनमें 10 पीपीएम से अधिक सीसा पाया गया है; और
(घ) क्या मंत्रालय ने निति आयोग-सीएसआईआर अध्ययन की सिफारिश के अनुसार प्रत्येक जिला अस्पताल में कम से कम एक सीसा परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित करने की पहल की है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्यमंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): भारत के राष्ट्रीय रूपांतरण संस्थान (नीति) आयोग और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) ने संयुक्त रूप से "मानव पर सीसे के प्रभाव का आकलन और भारत की प्रतिक्रिया" शीर्षक से एक रिपोर्ट (जुलाई, 2022 में) तैयार की है, जो 1970 और 2014 के बीच किए गए 36 शोधों से प्राप्त 89 डेटा सेटों पर आधारित है और इस रिपोर्ट में पाया गया है कि भारत में 19 वर्ष से कम आयु के 27.5 करोड़ बच्चों के रक्त में सीसे का स्तर असामान्य रूप से उच्च है, अर्थात् 5 माइक्रोग्राम प्रति डेसीलीटर (µg/dl) से अधिक है।

(ख) और (ग): स्वास्थ्य राज्य से संबंधित विषय है, जन स्वास्थ्य प्रणाली के सुदृढ़ीकरण का उत्तरदायित्व संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों का है। सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत, राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों के आधार पर उनकी स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों के सुदृढ़ीकरण के लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करती है। एनएचएम के तहत कोई भी रक्त में सीसे की जांच और उपचार केंद्र स्थापित नहीं किए गए है। तथापि, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की कुछ प्रयोगशालाओं [राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन), राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य संस्थान (एनआईओएच), राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग कार्यान्वयन अनुसंधान संस्थान (एनआईआईआरएनसीडी), आदि] में रक्त में सीसा की जांच करने की क्षमता है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा 2021-25 के दौरान पूरे भारत में किए गए निगरानी अभियानों के अनुसार, मसालों सहित विभिन्न खाद्य उत्पादों के नमूनों में से 1.1% में खाद्य सुरक्षा एवं मानक विनियमों (एफएसएसआर) के तहत निर्धारित अनुमेय सीमा से अधिक सीसा पाया गया।

(घ) ऐसा कोई प्रस्ताव स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में विचाराधीन नहीं है।

*****